

५ 10/17

पदावली का प्रवेश हुआ। पापी वंशिका (यस्य इत्ये)  
पापी वंशिका ने चण्डिका द्वारा विद्या को जाने जल्दी  
जाने का विचार भी रक्खिन्त रहे। पापी वंशिका (यस्य इत्ये)  
द्वारा कहा की हमने प्रथम राजीनामा ही ज्ञापन की  
श्रीमती वंशिका को अज्ञेय माना नहीं करते है

अतः पापी वंशिका के चण्डिका के हाथ पर  
वाडे का प्रतीक नाम के हाथ पर विद्या की  
माला है।

उपस्थित अधिकारी  
नीच (राज.)

५ - 17/17

महेश्वर

~~व्यय~~

~~श्रीमती वंशिका~~

~~श्रीमती वंशिका~~

श्रीमती वंशिका  
का. नाम